



संक्षिप्त

समाचार

यूएनएससी में पुरानी व्यवस्था से अब नहीं चलेगा काम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की मांग की है। भारत ने चेतावनी दी है कि 80 साल पुराना इसका ढांचा दुनिया के कुछ सबसे गंभीर संघर्षों को सुलझाने में संघर्ष कर रहा है। नई दिल्ली का कहना है कि सुरक्षा परिषद का स्वरूप आज की वैश्विक वास्तविकताओं के हिसाब से होना चाहिए। भारत का तर्क है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बना इसका



ढांचा अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता है। समाचार एजेंसी के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने गुरुवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध से मिली संता, सुरक्षा परिषद में उचित प्रतिनिधित्व की कमी की भरपाई नहीं कर सकती। आपकों बता दें कि भारत पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है लेकिन वीटो पावर वाले देश ऐसा होने देना नहीं चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान प्रतिनिधित्व और सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बोलते हुए भारतीय दूत पर्वथनेनी ने कहा इसके नतीजे पहले ही सामने आ रहे हैं। 180 साल बीत जाने के बाद भी यह संगठन संघर्ष कर रहा है।

पटना से पूर्णिया का सफर अब सिर्फ 3 घंटे में!

पटना (एजेंसी)। बिहार के बुनियादी ढांचे को नई पहचान देने के लिए केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य को अपना पहला नेशनल एक्सप्रेस-वे मिलने जा रहा है, जिसका शिलान्यास 20 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कुल 31.987 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला ये 245 किलोमीटर लंबा 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे राज्य के परिवहन और व्यापार की रस्सी बदल देगा। वर्तमान में पटना से पूर्णिया जाने में जहां 8 से 9 घंटे का लंबा समय



लगता है, वहीं इस रूट के बनने के बाद गाड़ियां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी और यह दूरी केवल 3 घंटे में पूरी हो जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में नेशनल एक्सप्रेस-वे घोषित किए गए एनएच-9 परियोजना का जमीनी निर्माण 12,052 करोड़ रुपये में होगा। ये मार्ग वैशाली के मीरनगर से शुरू होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा होते हुए पूर्णिया के चंद भट्टी तक जाएगा। ये सीधे पटना रिंग रोड से जुड़ेगा और समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा के जिला मुख्यालयों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए विशेष संपर्क मार्ग बनाए जाएंगे।

अरुणाचल में आमने-सामने आए भारत-चीन के सैनिक

- आईटीबीपी डीजी ने कहा-चीन से झड़पें अभी जारी
- शत्रुजीत कपूर बोले-सैन्य ताकत में वह काफी आगे
- डीजी ने कहा-अब पुराने तरीकों से मुकाबला मुश्किल



नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है। शत्रुजीत गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में माजा इलाके में तनाव बना हुआ है।

बांग्लादेश की जेलों में फंसे 250 भारतीय कैदी

- कई की सजा पूरी फिर भी कैद से नहीं मिली राहत
- नागरिकता साबित नहीं होने से वापसी अभी अटकी



नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की जेलों में 238 भारतीय कैदी बंद हैं। इनमें 168 ऐसे हैं, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है, लेकिन वे अब तक भारत नहीं लौट पाए हैं। इनमें से कई कैदियों की भारतीय नागरिकता साबित नहीं हुई है। बांग्लादेश सरकार ने करीब 120 कैदियों की सूची भारत को भेजी और कहा कि ये लोग भारतीय हैं। लेकिन भारतीय हाई कमीशन के मुताबिक, सूची में ज्यादातर कैदियों की जानकारी अधूरी है। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, वहां 15 देशों के कम से कम 407 विदेशी कैदी बंद हैं। इनमें सबसे ज्यादा भारतीय हैं। हालांकि, ढाका में भारतीय हाई कमीशन के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अब तक सिर्फ 25 ऐसे भारतीय कैदियों की पहचान हो पाई है, जो सजा पूरी होने के बाद भी जेल में बंद हैं। जिन कैदियों की जानकारी अधूरी है भारतीय हाई कमीशन ने उनसे मिलने की अनुमति मांगी है। अधिकारी के मुताबिक, अब बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी किए बरामद

- लाइट मशीन गन की मैगजीन भी मिली, जांच जारी

एक दिन पहले 2 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे



पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान 7 संदिग्ध आईईडी और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन की मैगजीन बरामद की। रक्षा सूचों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलने के बाद 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने कासबलारी गांव के पास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भूरे टेप से लिपटे 6 कटेनर, नीले टेप से लिपटे 1 कटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कटेनर मिला। इसके अलावा एक काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्यूमिनियम कटेनर और टिफिन भी मिला। वहीं, बारामूला में सुरक्षाबलों ने 22 अक्टूबर को 2 संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था।

● खुफिया सूचना के आधार पर सेना ने कार्वाई की—बारामूला में दोनों संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकीयों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनों को डैलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। मामले की जांच जारी है।

दर्दनाक हादसा: मलबे और बोल्टरों ने ली दो मजदूरों की जान

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के भीमताल क्षेत्र के मेहरा गांव में निर्माण कार्य के दौरान पहाड़ी से अचानक भारी मलबा और बड़े-बड़े बोल्टर गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में एक महिला समेत दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, हादसे के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनेदखी का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई।

दीवार निर्माण के दौरान अचानक गिरा मलबा प्राप्त जानकारी के अनुसार, भीमताल के मेहरा गांव में एक निर्माण स्थल पर दीवार बनाने का कार्य चल रहा था। गुरुवार शाम करीब छह बजे मजदूर अपने काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान अचानक ऊपर पहाड़ी से भारी मलबा और बड़े-बड़े पत्थर नीचे आ गिरा। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे मलबे की चपेट में आकर दब गए। अचानक हुए इस हादसे से निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।



महिला समेत दो मजदूरों की मौत हादसे में लालकुआं निवासी और वर्तमान में भीमताल के निशौल क्षेत्र में रहने वाली 38 वर्षीय गौरी देवी तथा नेपाल मूल के 18 वर्षीय हरीश थापा की मौत हो गई। वहीं, नेपाल निवासी नेत्र सिंह मलबे की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना

की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग राहत और बचाव कार्य में जुट गए। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। इसके बाद घायल मजदूर को पुलिस-प्रशासन की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), भवाली पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी होने की जानकारी है।

परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश हादसे के बाद मृतकों के परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई और ठेकेदार पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए। घटना ने निर्माण स्थलों पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ठेकेदार से पूछताछ, जांच के बाद होगी आगे की कार्रवाई प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने मामले में संबंधित ठेकेदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों और संबंधित लापरवाही के पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

यूपी के हर जिले में होगा रामायण पाठ, अबकी बड़ी तैयारी

बड़े स्तर पर वाल्मीकि जयंती मनाएगी योगी सरकार



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस बार वाल्मीकि जयंती कहीं अधिक व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी कर रही है। वाल्मीकि जयंती 26 अक्टूबर को है। योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की जयंती आस्था और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के व्यापक उत्सव के रूप में मनाने वाली है। इस मौके पर

सभी मंदिरों में दीपदान सहित कई कार्यक्रम होंगे

उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती पर सभी मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों पर दीप प्रज्वलन, दीपदान के अलावा रामायण पाठ होगा। यह कार्यक्रम जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर होंगे। इस अवसर पर हर आयोजन स्थल पर सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। राज्य के निर्देश सीएम योगी ने दिए हैं। इस अवसर पर पूजन, हवन, लवकुश प्रसंग सहित अन्य कई कार्यक्रम होंगे। तुलसीदास आश्रम राजापुर चित्रकूट, वाल्मीकि आश्रम बिदूर कानपुर, वाल्मीकि आश्रम श्रावस्ती, अयोध्या, प्रयागराज सहित प्रदेश के कई स्थानों पर यह आयोजन होंगे।

वाल्मीकि की तपोस्थली में होगी रामलीला

चित्रकूट के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डीके शर्मा के अनुसार, महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर में जिला प्रशासन की ओर से बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां रामलीला का मंचन, वाल्मीकि रामायण का पाठ, भजन संध्या और स्थानीय कलाकारों की ओर से भजन की प्रस्तुति दी जाएगी। नदी के घाट पर वाल्मीकि आरती भी होगी। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की आशा है। योगी सरकार इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच उपलब्ध कराएंगी। इसके लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समितियों की ओर से जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम होंगे।

संपादकीय

यौन शोषण में पिसती छात्राएं

राजधानी देहरादून के एक नामी स्कूल में छात्र के साथ यौन शोषण का मामला प्रकाश में आया है तो वहीं प्रकरण में स्कूल का अपेक्षा पूर्ण रवैया बेहद शर्मनाक है। शिकायत देने के बावजूद भी स्कूल मनमानी रवैया पर अड़ा है जबकि पीड़िता चाहती है कि स्कूल स्टाफ और आरोपी भारी असेंबली में माफ़ी मांगे। प्रकरण अब तूल पकड़ चुका है तो साथ ही मोटी-मोटी फीस लेकर दाखिले देने वाले यह स्कूल नैतिकता और सभ्यता की सीमाओं को लांघ चुके हैं। विद्यालय किसी भी बच्चे के जीवन में ज्ञान, संस्कार, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने वाली संस्था है। अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजते समय केवल शिक्षा की अपेक्षा नहीं करते, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित वातावरण भी सौंपते हैं। लेकिन जब इसी परिसर में बच्चों के साथ यौन शोषण जैसी घृणित घटनाएँ सामने आती हैं और उन पर कार्रवाई करने के बजाय कथित तौर पर अपराध को दबाने, अभिभावकों को परेशान करने तथा बच्चों को स्कूल से निकालने की धमकी देने जैसे आरोप लगते हैं, तब सवाल केवल किसी एक विद्यालय की कार्यप्रणाली पर नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर खड़े होते हैं। किसी भी बच्चे के साथ यौन शोषण केवल शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न का मामला नहीं है, बल्कि उसके विश्वास, आत्मसम्मान और भविष्य पर गहरा आघात है। ऐसी घटनाओं का प्रभाव कई बार लंबे समय तक बच्चे के व्यक्तित्व, व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर बना रहता है। इसलिए स्कूल में इस प्रकार की किसी शिकायत को सामान्य अनुशासनात्मक विवाद मानकर टालना या उसकी गंभीरता कम करके प्रस्तुत करना अत्यंत चिंताजनक है।विद्यालय प्रबंधन की पहली जिम्मेदारी शिकायत को गंभीरता से लेना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संबंधित अधिकारियों को कानून के अनुरूप सूचना देना है। किसी संस्था की प्रतिष्ठा बचाने के नाम पर यदि किसी शिकायत को दबाने का प्रयास किया जाता है, तो इससे पीड़ित बच्चे को न्याय मिलने में बाधा उत्पन्न हो सकती है और अन्य बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। सबसे गंभीर स्थिति तब पैदा होती है, जब अपने बच्चे के साथ यह एक कथित अन्याय की शिकायत लेकर स्कूल पहुंचने वाले अभिभावकों को ही परेशान किया जाए। यदि उनसे सवाल पूछने के बजाय उन्हें डराया जाए, शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जाए या उनके बच्चे को स्कूल से निकालने की धमकी दी जाए, तो यह केवल अभिभावकों के अधिकारों का प्रश्न नहीं रह जाता। यह उस व्यवस्था की नैतिकता पर भी सवाल है, जिसे बच्चों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। अभिभावक अपने बच्चे की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछते हैं तो यह उनका स्वाभाविक अधिकार है, कोई अपराध नहीं। शिकायत की सत्यता की जाँच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए, लेकिन शिकायत करने वाले परिवार को प्रताड़ित करना या बच्चे की शिक्षा को दबाव का साधन बनाना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित नहीं है। बच्चों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएँ, शिकायत दर्ज करने की स्पष्ट प्रक्रिया, कर्मचारियों का उचित सत्यापन, संवेदनशीलता प्रशिक्षण और जवाबदेही की प्रभावी व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक हैं। देहरादून शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण तंत्र और पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई हो तथा किसी भी बच्चे की पहचान और निजता की रक्षा की जाए। सरकार और शिक्षा विभाग को भी केवल घटना सामने आने के बाद सन्नित्त होने के बजाय ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिसमें बच्चे बिना भय के अपनी बात कह सकें। प्रत्येक विद्यालय में यह स्पष्ट होना चाहिए कि शिकायत कहाँ की जाए, उस पर कौन कार्रवाई करेगा और बच्चे की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी।विद्यालय शिक्षा का केंद्र है, भय का नहीं; विश्वास का स्थान है, दबाव का नहीं। किसी भी स्कूल को सफलता केवल परीक्षा परिणाम, भवन की भव्यता या प्रचार से नहीं मापी जानी चाहिए, बल्कि इस बात से भी तय होनी चाहिए कि वहाँ पढ़ने वाला प्रत्येक बच्चा कितना सुरक्षित और सम्मानित महसूस करता है।



योगेश कुमार गोयल

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र... दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके

बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्टूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा।। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियाँ प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विडंबना है

कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियाँ इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतान पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर

दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियाँ थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि वह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलिस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है।

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती



ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोड़ धुंध, आँखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विश्व दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन

इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने की विवश होें और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह

केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं। सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच करने से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पथरी जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने पर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के बंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पतियों न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की निर्यति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोड़ हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने इराक़ में कर दिया खेल, भारत के पास अब तेल ही तेल



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है।

दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक़ से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक़ के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है। **इराक़: भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बड़ा स्तंभ** देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक़ ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक़ भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक़ भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियाँ इराक़ से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होत हैं। **अक्टूबर 2026 की खरीद-व्यो चर्चा में आया इराक़ का तेल?** इराक़ से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक़ से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियाँ उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता



है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने इराक़ के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम कूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं। **वैश्विक बाजार पर क्या पड़ता है इसका असर?** देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियाँ रूस के बजाय इराक़ या दूसरे मध्य-पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग-अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य-पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल

आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य-लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक़ से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है। यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच-मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करें, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है। दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक़, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत

के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियाँ कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसके अलावा, इराक़ से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच पेट्रोल-डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। रूस हो, इराक़ हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है। हालांकि इराक़ से तेल खरीदने में जोखिम भी हैं। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और आपूर्ति में संभावित बाधाएं भारत के लिए दूधोंर चुनौती बन सकती हैं। इसलिए सस्ता तेल तभी वास्तविक रणनीतिक लाभ है, जब उसकी आपूर्ति भरोसेमंद और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो। बहरहाल, दुनिया भारत की रूस से तेल खरीद पर नजर रखे या वेनेजुएला से संभावित खरीद पर बहस करे, भारत की ऊर्जा नीति का मूल्यकान व्यापक तस्वीर के आधार पर होना चाहिए। इराक़ से 4.711 करोड़ टन वार्षिक तेल आपूर्ति और सितंबर 2026 में वहां से आयात में आई तेज बढ़ोतरी यह दिखाती है कि मध्य-पूर्व भारत की ऊर्जा सुरक्षा में कितनी अहम भूमिका निभाता है। यदि मोदी सरकार और भारतीय तेल कंपनियाँ प्रतिस्पर्धी कीमतों, सुरक्षित आपूर्ति और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को एक साथ साध पाती हैं, तो यह व्यावहारिक कूटनीति की बड़ी सफलता होगी।

धनतेरस पर वाहन खरीदने का क्रेज, कोटद्वार में एडवांस वाहनों की बुकिंग



शोरूम में बिक्री के लिए खड़े दोपहिया वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : त्योहारी सीजन में घर-आंगन के साथ वाहन बाजार भी गुलजार होने लगा है। नवरात्र से लेकर धनतेरस और दीपावली तक नया वाहन खरीदने की परंपरा के चलते कोटद्वार के शोरूम में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। कोई परिवार की

जरूरत के लिए कार खरीद रहा है तो कोई धनतेरस पर नई बाइक या स्कूटी घर लाने की तैयारी में है। शहर में अब तक 150 से अधिक कारों और 800 से अधिक दोपहिया वाहनों की बुकिंग हो चुकी है। ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए वाहन कारोबारियों को इस वर्ष पिछले साल के मुकाबले 20 से 25

कारों से लेकर बाइक और स्कूटी तक की बढ़ी मांग, पिछले साल के मुकाबले 20 से 25 प्रतिशत कारोबार बढ़ने की उम्मीद

प्रतिशत तक कारोबार बढ़ने की उम्मीद है।

त्योहारों को देखते हुए वाहन कंपनियों और डीलरों ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। ग्राहकों की पसंद और मांग के अनुसार वाहनों का स्टॉक जुटाया जा रहा है। कोटद्वार में दोपहिया और चार पहिया वाहनों का बड़ा बाजार होने के कारण विभिन्न कंपनियों के बीच ग्राहकों को आकर्षित करने की होड़ लगी है। इसके लिए फाइनेंस की सुविधा समेत अन्य आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। धनतेरस पर वाहन खरीदने को लेकर ग्राहकों में विशेष उत्साह है।

कई लोगों ने अपने पसंदीदा वाहन की बुकिंग करने के साथ ही डिलीवरी की तारीख भी तय कर दी है। खासकर चार पहिया वाहनों की डिलीवरी के लिए बड़ी संख्या में ग्राहकों ने धनतेरस का दिन चुना है। ऐसे में निर्धारित समय पर सभी ग्राहकों को वाहन उपलब्ध करना डीलरों के लिए चुनौती बन सकता है। कारोबारियों को उम्मीद है कि त्योहार नजदीक आने के साथ ही बुकिंग का आंकड़ा और बढ़ेगा।

ईवी वाहनों की ओर बढ़ रहा रस्नान

त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग भी बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल पर होने वाले खर्च से बचने और कम रख-रखाव लागत के कारण ग्राहक इलेक्ट्रिक स्कूटर और कारों में रूचि दिखा रहे हैं। कोटद्वार के वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लेकर अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है।

वहीं, करीब पांच से दस प्रतिशत ग्राहक चार पहिया वाहनों में भी इलेक्ट्रिक विकल्प तलाश रहे हैं। वाहन कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार, कम परिचालन खर्च, आधुनिक फीचर्स और पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ा रहे हैं।

हालांकि, ग्राहक ईवी खरीदने से पहले चार्जिंग की उपलब्धता, बैटरी की क्षमता और एक बार चार्ज करने पर तय की जा सकने वाली दूरी के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं।

गुलदार के मंसूबों पर भारी पड़ा पहाड़ी महिला का हौसला



गुलदार के हमले में घायल एकेश्वर ब्लॉक के ग्राम ईंडा मल्ला, श्रीकोटखाल निवासी लीला देवी का हंस अस्पताल में उपचार किया गया।

दरांती लेकर गुलदार से भिड़ी 55 वर्षीय लीला देवी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एकेश्वर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम ईंडा मल्ला, श्रीकोटखाल में शुक्रवार को गुलदार ने एक महिला पर हमला

कर दिया। महिला ने अपने हौसले का परिचय देते हुए गुलदार से भिड़कर अपनी जान बचाई। गुलदार के हमले में घायल 55 वर्षीय लीला देवी को हंस फाउंडेशन में उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे की है। लीला देवी गांव के समीप खेतों में घास काटने गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाकर बैठे गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घिरी लीला देवी ने घबराने के बजाय साहस दिखाया और हाथ

हुए उन्हें तत्काल सतपुली स्थित हंस अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार, गुलदार के हमले में लीला देवी के गाल, जबड़े और पीठ पर चोटें आई हैं।

अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं कांग्रेस नेता राजपाल विष्ट, डीसीबी के पूर्व डायरेक्टर नरेंद्र नेगी ने हंस अस्पताल पहुंचकर घायल महिला का हाल चाल जाना तथा परिजनों से घटना के बारे में जानकारी ली।

गांव में कई दिनों से गुलदार की धमक

पूर्व ग्राम प्रधान रविंद्र कुमार ने बताया कि गांव में पिछले कई दिनों से गुलदार की सक्रियता बनी हुई है। गुलदार की आवाजही के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। शाम ढलते ही लोगों के लिए घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गुलदार की गतिविधियों पर अंकुश लगाने और उसे पकड़ने के लिए प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की है।

श्रद्धालुओं को किया प्रसाद वितरित



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़ श्री रामलीला कमेटी कोटद्वार की रामलीला मंचन सम्पन्न होने के उपरांत सिद्धबली मंदिर समिति के सहयोग से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर पुरस्कार वितरण के साथ रामलीला मंचन का विधिवि समापन किया गया। इस अवसर पर सिद्धबली मंदिर समिति के डॉ. रविंद्र नेगी, दिनेश जुयाल, गढ़ श्री रामलीला कमेटी अध्यक्ष आशाराम, चंद्र मोहन विष्ट, मदन सिंह, पंडित ओमप्रकाश कंडवाल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

माता-पिता विहीन बच्चों को छात्रवृत्ति देने का निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक ट्रस्ट ने माता-पिता विहीन विद्यार्थियों को प्रतिमाह पांच सौ रुपये छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी ने बताया कि छात्रवृत्ति दुग्ढा, जयहरीखाल, हरिखाल व यमकेश्वर के विभिन्न विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दी जाएगी।

नामांकन बढ़ाने और विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति में सुधार पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शिक्षा विभाग की कार्ययोजना को प्रभावी बनाने और अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक व अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान नामांकन बढ़ाने और विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति में सुधार पर जोर दिया गया। अपर निदेशक गढ़वाल मंडल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नए बदलाव और चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित समीक्षा और आपसी समन्वय जरूरी है।

बैठक में अपर निदेशक, गढ़वाल मंडल प्रमोद सिंह विष्ट ने अधिकारियों से सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं के निस्तारण पर जोर दिया। साथ ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आपसी समन्वय को जरूरी बताया। कार्यशाला में वित्तीय प्रबंधन, एसएनए स्पर्श प्रणाली, आईएमएसएस पोर्टल, परख आदि की जानकारी दी गई।

साथ ही विद्यालयों के निरीक्षण, पीएम पोषण योजना, निपुण भारत मिशन, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आदि की समीक्षा की गई। इस मौके पर विषय विशेषज्ञ के रूप में सहायक वित्त व लेखाधिकारी सुनीता सोलंकी, डायट प्राचार्य स्वराज तोमर, डायट से भारत भूषण परमार, डीईओ (प्राथमिक/माध्यमिक) अंशुल बिष्ट, बीईओ वीरेंद्रखाल वर्षा भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-दुग्ढा के बीच नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय के समीप कटे हुए पेड़ का हिस्सा उड़ते समय एक जेसीबी अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। गनीमत रही कि ऑपरेंटर ने स्थिति को संभाल लिया, जिससे जेसीबी खाई में गिरने से बच गई। हालांकि, हादसे में जेसीबी का तेल टैंक फट गया और ऑपरेंटर को हल्की चोटें आईं। हाईवे पर जेसीबी पलटने से करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

दरअसल, कुछ माह पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाईपास निर्माण के लिए प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय के समीप पेड़ों का कटवन किया गया था। शुक्रवार दोपहर कटे हुए पेड़ों को उठकर डंपर में लाने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान जेसीबी एक पेड़ का हिस्सा उठाकर डंपर में रखने का प्रयास कर रही थी। तभी अचानक मशीन का संतुलन बिगड़ गया और वह हाईवे पर पलट गई।

गढ़वाल विवि का 13वां दीक्षांत समारोह 1 दिसंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह 1 दिसंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार समारोह में शामिल होने के लिए पात्र अभ्यर्थी 23 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को दीक्षांत समारोह और पूर्वाभ्यास से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट नियमित रूप से देखने की सलाह दी है।

विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी निर्धारित ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद उपाधि प्राप्त करने के पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त, वे पीएचडी शोधार्थी भी समारोह में उपाधि प्राप्त कर सकेंगे, जिन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की जा चुकी है अथवा जिनकी

मौखिक परीक्षा (वाइवा-वॉइस) 20 नवंबर 2026 तक संपन्न हो चुकी होगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सभी विश्वविद्यालय स्पर्ण पदक विजेताओं को समारोह में व्यक्तिगत रूप से उपाधि एवं पदक प्रदान किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए प्रति अभ्यर्थी पंजीकरण शुल्क 1,500 रुपये निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। अधिसूचना के अनुसार समारोह में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने वाले सभी पीजी एवं पीएचडी अभ्यर्थियों के लिए 30 नवंबर को पूर्वाभ्यास में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। पूर्वाभ्यास के दिन चौरास परिसर स्थित कंप्यूटर विज्ञान विभाग में दीक्षांत समारोह की पोशाक वितरित की जाएगी। अथर्व अथवा गलत आवेदन पत्र निरस्त कर दिए जाएंगे। ऑनलाइन माध्यम से समारोह में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की उपाधियां समारोह के बाद डाक से भेजी जाएंगी।



कोटद्वार-दुग्ढा के बीच प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय के समीप हाईवे पर पलटी जेसीबी।

हादसे के दौरान जेसीबी का तेल टैंक भी फट गया। गनीमत रही कि ऑपरेंटर को गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, हाईवे पर मशीन पलटने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई और सड़क के दोनों ओर

जाम की स्थिति बन गई। करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। बाद में जेसीबी को हटाने की कार्रवाई की गई, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।

एमकेवीएन ने जीता शहीद मुकेश बिष्ट फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद एमकेवीएन की टीम ने शानदार वापसी करते हुए 13वें शहीद मुकेश बिष्ट मेमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। जनता इंटर कालेज, मोटाढांग में खेले गए फाइनल मुकाबले में एमकेवीएन ने कांवेंट की टीम को 3-1 से शिकस्त दी। दूसरे हाफ में एमकेवीएन के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे और टीम को जीत दिलाई। टूर्नामेंट की ट्रॉफी पहली बार जीतने पर खिलाड़ियों और समर्थकों में उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले का शुभारंभ महावीर सिंह बिष्ट और विनोद पंत ने किया। मुकाबले के पहले हाफ में कांवेंट की टीम ने बढ़त बनाते हुए एमकेवीएन को 0-1 से पीछे कर दिया। इसके बाद दूसरे हाफ में एमकेवीएन के खिलाड़ियों ने खेल की गति बढ़ाई और लगातार तीन गोल कर मुकाबले का स्वरूप बदला। इस तरह टीम ने 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमाया। मैच के दौरान मेहरवान नेगी और तरुण शेटवाल ने शानदार कमेंट्री कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। समापन समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने विजेता एमकेवीएन की टीम को ट्रॉफी प्रदान की। वहीं, गिरिराज सिंह रावत ने विजेता टीम को 13 हजार रुपये की पुरस्कार राशि



कोटद्वार में आयोजित शहीद मुकेश बिष्ट मेमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल जीतने वाली एमकेवीएन की टीम को सम्मानित करते अतिथि।

भेंट की। उपविजेता कांवेंट की टीम को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल कोच सुनील रावत और पूर्व सैनिक महेंद्रपाल सिंह रावत ने ट्रॉफी प्रदान की। उपविजेता टीम को छः हजार रुपये की

टीम पहली बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीतने में सफल रही। टीम की इस उपलब्धि से खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी का माहौल है।

पुरस्कार राशि दी गई। टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। बाल भारती पब्लिक स्कूल के रैनक ने आठ गोल दागकर गोल्डन बूट का पुरस्कार अपने नाम किया। एमकेवीएन के समर्थक विष्ट को उदीयमान खिलाड़ी, आयुष बिष्ट को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और दिव्यांशु नेगी को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयोजन समिति के सदस्य सिद्धार्थ रावत ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 25 टीमों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि एमकेवीएन

उत्तर रेलवे		निविदा सूचना	
निविदा सूचना		निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अधिनियम / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिनांक 16:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। किमान ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।		सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छवनी परियद् द्वारा गाँधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाइन निविदा देय तिथि से 02 वजे हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :-	
कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि		16 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.00 बजे तक)	
कोटेशन खलने की तिथि		17 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)	
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 25,000/-	
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 1770/-	
1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाइट पर ऑन लाईन भरे जाएंगे।		2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।	
पत्रांक 724/पार्किंग/छा/050		मुख्य अधिशासी अधिकारी	
कार्यालय छवनी परियद् लैन्सड्रोन		छवनी परियद् लैन्सड्रोन।	
दिनांक अक्टूबर 2026			

उत्तर रेलवे		निविदा सूचना	
निविदा सूचना		निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अधिनियम / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिनांक 16:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। किमान ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।		सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छवनी परियद् द्वारा गाँधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाइन निविदा देय तिथि से 02 वजे हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :-	
कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि		16 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.00 बजे तक)	
कोटेशन खलने की तिथि		17 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)	
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 25,000/-	
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 1770/-	
1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाइट पर ऑन लाईन भरे जाएंगे।		2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।	
पत्रांक 724/पार्किंग/छा/050		मुख्य अधिशासी अधिकारी	
कार्यालय छवनी परियद् लैन्सड्रोन		छवनी परियद् लैन्सड्रोन।	
दिनांक अक्टूबर 2026			

उत्तर रेलवे		निविदा सूचना	
निविदा सूचना		निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अधिनियम / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिनांक 16:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। किमान ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।		सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छवनी परियद् द्वारा गाँधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाइन निविदा देय तिथि से 02 वजे हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :-	
कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि		16 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.00 बजे तक)	
कोटेशन खलने की तिथि		17 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)	
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 25,000/-	
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 1770/-	
1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाइट पर ऑन लाईन भरे जाएंगे।		2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।	
पत्रांक 724/पार्किंग/छा/050		मुख्य अधिशासी अधिकारी	
कार्यालय छवनी परियद् लैन्सड्रोन		छवनी परियद् लैन्सड्रोन।	
दिनांक अक्टूबर 2026			

उत्तर रेलवे		निविदा सूचना	
निविदा सूचना		निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अधिनियम / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिनांक 16:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। किमान ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।		सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छवनी परियद् द्वारा गाँधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाइन निविदा देय तिथि से 02 वजे हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :-	
कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि		16 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.00 बजे तक)	
कोटेशन खलने की तिथि		17 नवम्बर 2026 (दोपहर 12.30 बजे तक)	
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 25,000/-	
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)		₹0 1770/-	
1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाइट पर ऑन लाईन भरे जाएंगे।		2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।	
पत्रांक 724/पार्किंग/छा/050		मुख्य अधिशासी अधिकारी	
कार्यालय छवनी परियद् लैन्सड्रोन		छवनी परियद् लैन्सड्रोन।	
दिनांक अक्टूबर 2026			

उत्तर रेलवे				
निविदा सूचना				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अधिनियम / प्रथम द्वारा ई-टेंडर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेंडर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिनांक 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। किमान ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।				
टेंडर संख्या दिनांक	223-DRM-MB-26-27 Date. 22.10.2026	224-DRM-MB-26-27 Date. 22.10.2026	225-DRM-MB-26-27 Date. 22.10.2026	226-DRM-MB-26-27 Date. 22.10.2026
कार्य का नाम	Safety related miscellaneous work and deployment of patrol mitras in connection with track maintenance in the section of SSE/P-way/ DDN under ADEN/HW. (Est. No. 233/26 Rev)	Safety Related Miscellaneous work and deployment of patrol mitras in connection with track maintenance in the section of SSE/P-way /LRJ under ADEN/RK	Miscellaneous work and deployment of patrol mitras in connection with track maintenance in the section of SSE/ P. way/RK under ADEN /RK	Improvement of CBJ track depot road surface provision of P.way store material cover shed, verandah shed, RCC boundary wall and provision of extra toilet and improvement of existing stores and other misc work at SSE/TD/ CBJ under DEN/Track/MB.
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
अनुमानित लागत	2,43,43,724.37	1,24,97,152.68	1,24,97,152.68	1,92,58,345.36
धरोहर राशि	4,86,900.00	2,50,000.00	2,50,000.00	3,85,200.00
टेंडर क्लोसिंग दिनांक / समय	17.11.2026 16:00	17.11.2026 16:00	17.11.2026 16:00	17.11.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	03.11.2026	03.11.2026	03.11.2026	03.11.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह	12 माह	12 माह
No. 74-W/23/WA/Publication दिनांक : 23.10.2026				
आडार्क की सेवा में मुक्तकान के साथ				
3692/2026				

राष्ट्रीय सम्मेलन में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, स्वच्छता और रोग नियंत्रण पर जोर

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज में उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड राज्य शाखा के 29वें आईएपीएसएम राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। दो दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत बनाने के उपायों पर मंथन करेंगे। कहा गया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शोध को धरातल पर उतारना होगा। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, स्वच्छता और रोग नियंत्रण पर जोर दिया गया। चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और जनस्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां वर्तमान समय के प्रमुख विषय हैं। इनसे निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग और शोध आधारित स्वास्थ्य नीतियां विकसित करना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ उसकी गुणवत्ता और मरीजों को मिलने वाले उपचार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। चिकित्सा शिक्षा

भराड़ीसैण—गैरसैण में तैनात रहेंगे 1400 पुलिस कर्मी



गोपेश्वर। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के भराड़ीसैण स्थित विधानसभा में प्रस्तावित विधानसभा सत्र में सुरक्षा को देखते हुए 1400 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। कुछ पुलिस कर्मी बाहर से भी मंगाए गए हैं। भराड़ीसैण में 27 व

एक नजर

बेस अस्पताल के लिए दून में चल रहा धरना स्थगित

कर्णप्रयाग। सिमली महिला बेस अस्पताल को पूर्ण बेस अस्पताल का दर्जा देने की मांग के लिए देहरादून में तीन दिनों से चल रहा बेस अस्पताल संघर्ष समिति का धरना स्थगित हो गया है। समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि सरकार की ओर से जल्द कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद धरना समाप्त किया गया है। हालांकि शासनादेश जारी न होने पर समिति 24 अक्टूबर से सिमली में पुनः धरना शुरू करेगी और 27 अक्टूबर को भराड़ीसैण में होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान सरकार का घेराव करने के लिए कूच करेगी।

सिमली में पूर्ण बेस अस्पताल की मांग को लेकर समिति पिछले तीन साल से आंदोलनरत है। वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा घोषणा किए जाने के बावजूद शासनादेश जारी न होने पर, समिति ने 11 अक्टूबर से सिमली से देहरादून तक करीब 250 किलोमीटर की पैदल यात्रा निकाली थी। 20 अक्टूबर को देहरादून पहुंचने पर मुख्यमंत्री आवास के बाहर रोके जाने के बाद उन्होंने एकता विहार में धरना शुरू किया था। समिति का कहना है कि सिमली में बेस अस्पताल या मेडिकल कॉलेज बनने से पहाड़ के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़े अस्पतालों के चक्रर नहीं काटने पड़ेंगे। वहीं शुक्रवार को प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मिलकर शासनादेश जारी करने की मांग की।

पंप हाउस में चोरी करने वाले आरोपी को जमानत

कर्णप्रयाग। नारायणबगड़ के पंती में जल संस्थान के पंप हाउस से सामान चोरी के मामले में आरोपी सूरज सिंह को जमानत मिल गई है। शिविर न्यायालय कर्णप्रयाग के सत्र न्यायाधीश बिंध्याचल सिंह ने आरोपी की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए 40 हजार रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र और इतनी ही धनराशि के दो जमानती प्रस्तुत करने पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।अभियोजन के अनुसार 18 मई 2026 की रात पंप हाउस से एक स्टैंडर्ट पैनल, 50 मीटर केबल और एक्सटेंशन बोर्ड चोरी किए गए थे। चोरी हुए सामान की अनुमानित कीमत दो लाख रुपये बताई गई है। मामले में थराली थाने में 21 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोपी सूरज सिंह को पांच अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। बचाव पत्र के जमानत याचिका में चटना की रिपोर्ट दर्ज कराने में करीब तीन माह की देरी, आरोपी से चोरी के सामान की बरामदगी नहीं होने और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं होने का तर्क दिया। वहीं अभियोजन पक्ष ने आरोपी के फरार होने और साक्ष्यों को प्रभावित करने की आशंका जताते हुए जमानत का विरोध किया। न्यायालय ने मामले के तथ्यों, रिपोर्ट दर्ज कराने में हुई देरी, चोरी के सामान की बरामदगी न होने और आरोपी के पूर्व आपराधिक इतिहास का स्पष्ट उल्लेख न होने पर विचार करते हुए जमानत मंजूर कर ली।

नशामुक्त भारत के लिए युवाओं को दिलाई शपथ

चंबा (टहरी)। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के एसआरटी परिसर वाइसाहीथील में एनएसएस इकाई की पहल पर नशामुक्ति को लेकर गोष्ठी की गई। वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान छात्रों को नशामुक्त की शपथ भी दिलाई गई। गोष्ठी का शुभारंभ प्रभारी परिसर निदेशक प्रो. वृएस ने, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. सुबोध कुमार शर्मा, एनएसएस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शंकर लाल, सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रविंद्र धावत, प्रो. एसके चतुर्वेदी, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. हंसराज बिष्ट, जिला युवा अधिकारी आशीष पंत ने संयुक्त रूप से किया। प्रभारी निदेशक प्रो. नेगी ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। एनएसएस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शंकर लाल ने कहा कि युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता बढ़ गई है।



निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शोध को धरातल पर उतारना, आधुनिक तकनीक का लाभ सभी तक पहुंचाना और स्वास्थ्य सेवाओं में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है। आईएपीएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल कोतवाल ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने पर ध्यान देना होगा। नई पीढ़ी के जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों और मेडिकल विद्यार्थियों को एआई के उपयोग, उसकी सीमाओं और संभावनाओं से परिचित कराना होगा, ताकि वे इसका जिम्मेदारी के साथ

इस्तेमाल कर सकें। सम्मेलन में पौड़ी की सोएमओ डॉ. मेघना असवाल ने स्वास्थ्य मंत्री से जिले में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती का अनुरोध किया। सम्मेलन में आईएपीएसएम के राष्ट्रीय सचिव डॉ. मनोष कुमार सिंह, स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. हरशंकर जोशी, स्टेट सेक्रेटरी डॉ. संदीप कुमार, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सोएमएस रावत, आयोजन अध्यक्ष डॉ. जानकी बर्वाल, सचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राज्यों से आए विशेषज्ञ, फैकल्टी सदस्य और मेडिकल छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मंत्री ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

मेडिकल कॉलेज में आयोजित 29वें आईएपीएसएम राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने 13 करोड़ 43 लाख 39 हजार निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने प्राचार्य की मांग पर चौरास में मेडिकल कालेज आवासीय भवनों को अपग्रेड करने और कॉलेज के लिए स्टेडियम के निर्माण की घोषणा भी की।

जागरों व लोक गीतों की प्रस्तुति पर देर रात तक झूमे लोग

पोखरी। चंद्रकुंवर बर्तौल खदी ग्रामोद्योग एवं शरोदत्सव मेले की दूसरी संख्या को लोक गायक दिगंबर बिह ने लोक गीतों व जागरो की शानदार प्रस्तुतियों ने खास बना दिया। गीतों पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे।

20वें हिमवंत कवि चंद्र कुंवर बर्तौल खदी ग्रामोद्योग एवं शरोदत्सव मेले की दूसरी सांस्कृतिक संख्या में लोक गायक दिगंबर बिह व उनकी टीम ने जीतू बगड़वाल जागर, देवी जागर, शिव नृत्य सहित विभिन्न लोकगीतों और जागरों की प्रस्तुतियां दीं। इसके अलावा लोकगीतों की भी देर रात तक प्रस्तुतियां होती रही। डंड के बावजूद लोग पंखल में डटे रहे। इससे पूर्व बामनाथ फिलिंग स्टेशन मैनेजर आशुष नैनवाल, पूर्व प्रधानाचार्य कपल टट्टा ने सांस्कृतिक संस्था का उद्घाटन किया। मैला अध्यक्ष सोहन लाल व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी ने दिगंबर बिह व उनकी टीम को सम्मानित किया।

पांच साल से अधूरी मासौ— दादड़ सड़क, ग्रामीणों में आक्रोश

गोपेश्वर। विकासखंड दशोली के अंगरंगत ग्राम पंचायत दादड़ के लोग आज भी सड़क सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीण करीब 20 साल से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनके गांव को सड़क से जोड़ा नहीं जा सकता है। पांच साल पहले सड़क का निर्माण शुरू हुआ, लेकिन डेढ़ किमी कटिंग के बाद काम बंद कर दिया गया। ग्रामीणों ने इस मामले में डीएम को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि साल 2020 में लोक निर्माण विभाग ने मासौ—कफलखेत—दादड़ सड़क कटिंग का काम शुरू किया। डेढ़ किमी कटिंग के बाद काम रोक दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि गलत एलाइमेंट के चलते सड़क का काम रोका गया है। ग्रामीणों के लगातार मांग उठाने पर सड़क पीएमपीएसवाई के पास दे दी

हिम तैदुए के संरक्षण के प्रति किया जागरूक्क

उत्तरकाशी/पुरोला। विश्व हिम तेंदुआ दिवस पर शुक्रवार को जिले में वन विभाग की ओर से विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। हर्षिल के झाला क्षेत्र से लेकर गोविंद वन्यजीव विहार के नेटवाड़, सांकरी और दौणी तक विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों को हिम तेंदुए के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

हिमालयी जैव विविधता में हिम तेंदुए की भूमिका और हिम प्राकृतिक आवास बचाने के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। गंगोत्री रेंज के तहत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाला और राजकीय प्राथमिक विद्यालय झाला में गोष्ठी आयोजित की गई। इसके बाद वन

क्षेत्राधिकारी यशवंत चौहान की अगुवाई में विद्यालय से झाला बाजार तक जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान प्रवेश राणा, राजवीर रावत, जुनियर हाईस्कूल के उमेश, राजीव नयन, दीपक नाँटियाल, अंजली रावत, जगिया आर्य, अनिरुद्ध बिष्ट आदि मौजूद थे। वन विभाग भवन हर्षिल में भी हिम तेंदुए के संरक्षण, सुरक्षा और पर्यटन पर इसके प्रभाव को लेकर गोष्ठी की गई। वहीं, गोविंद वन्यजीव विहार एवं राष्ट्रीय उद्यान की ओर से नेटवाड़, सांकरी और दौणी के विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएं कराई गईं। कहा गया कि वन विभाग के वर्ष 2023 के आकलन में गोष्ठी अंतर गोविंद वन्यजीव विहार क्षेत्र में सात हिम तेंदुए दर्ज किए गए हैं।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आयोजित न्याय यात्रा शुक्रवार को कर्णप्रयाग और गौचर पहुंची। इस दौरान सब्जी मंडी से मुख्य बाजार तक रैली निकाली गई। मुख्य बाजार में

ईवीएम—वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू गोपेश्वर। जिला चमोली की ईवीएम व वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुरू हो गई है। गोपेश्वर स्थित ईवीएम वयर हाउस में इलेक्ट्रानिक्स कॉपीरेशन ऑफ इंडिया लि. (ईसीआईएल) के अधिकृत इंजीनियरों की ओर से मशीनों की जांच की जा रही है।जिला निर्वाचन अधिकारी गोवर् कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग को दिशा निर्देशों के तहत ईवीएम व वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच कराई जा रही है। आयोग के निर्देशानुसार हर सामान्य या उप निर्वाचन से पूर्व मशीनों की एफएलसी जरूरी है। एफएलसी प्रमाण पत्र के बाद ही मशीन निर्वाचन के लिए उपयोग में लाई जाती है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य पूरी प्रक्रिया को संपन्न कराने के निर्देश दिए। प्रक्रिया के दौरान तीन मोबाइल की अनुमति है जिसमें दो मशीनों की स्क्रीनिंग व एक ईसीआईएल के इंजीनियरों के उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि चमोली जिले में वर्तमान में 1130 बलेट यूनिट, 1400 कंट्रोल यूनिट व 1294 वीवीपैट मशीनें उपलब्ध हैं।

राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा के लिए आठ छात्रों हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पांच दिवसीय राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा में जनपद पौड़ी से आठ स्काउट गाइड छात्र-छात्रा जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह परीक्षा राष्ट्रीय मुख्यालय के नेतृत्व में प्रशिक्षण केन्द्र भोगलजपानी में आयोजित हो रहा है। जनपद पौड़ी से गाइड प्रियाशी, आकांक्षा, अनामिका रावत, अक्सरा, तानिया चौहान, महक काला एवं स्काउट में शिवकुमार, कपिल का पांच दिवसीय राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा के लिए चयन हुआ है। जिला सचिव केशर सिंह असवाल ने कहा कि जिले की तरफ से कट्योजन के रूप में शकूंतला बुड़ाकोटी व रूप चन्द्र लखेड़ा को चयनित किया गया है। प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला मुख्य आयुक्त अत्रेश सयाना, उप आयुक्त अंशुल बिष्ट, जिला सचिव केशर सिंह असवाल, प्रशिक्षण कमीशनर मनमोहन भट्ट, शान्ती रतूडी, रूपचन्द लखेडा, शकूंतला बुड़ाकोटी, आनन्द बलोदी, नेरन्द्र सिंह नेगी, जयदीप रावत, राजेन्द्र सिंह रावत, राकेश भट्ट आदि ने शुभकामनाएं दी



है। परीक्षा के दौरान पांच दिनों तक ध्वज स्थापचार, प्रतिज्ञा, नियम, अनुमान लगाना, मैप रीडिंग, प्राथमिक चिकित्सा, पार्यायनरिंग, आपदा प्रबन्धन, सामुदायिक विकास एवं मचान बनाना आदि विषयों की जानकारी देकर परीक्षा से गुजरेंगे। यह परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों को नई दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों प्रमाण पत्र दिये जायेंगे।

प्रधानों का हंगामा, बीडीसी बैठक का बहिष्कार

नारायणबगड़। विकास भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत की त्रैमासिक बैठक हंगामेदार रही। बैठक में ग्राम प्रधानों ने 10 सूत्री मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और जमीन पर बैठकर बैठक का विरोध किया। ग्राम प्रधान संगठन बीडीसी बैठक का विरोध करते हुए सदन से बाहर चले गए। इसके बाद बीडीसी सदस्यों के साथ बैठक की गई जिसमें लोनिवि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, नेटवर्क के मुद्दों पर चर्चा की गई। ब्लॉक प्रमुख गणेश चंदोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी, आनन्द सिंह भाकूनी, एसडीएम यशवीर सिंह, भगवती सती, बीना नेगी, सुरेंद्र लाल, दलवीर आर्य, विपिन मनोड़ी, नीरज नेगी, भूपेंद्र सिंह, यशपाल नेगी आदि मौजूद रहे।

सर्वे के अनुरूप बाईपास निर्माण न होने पर आक्रोश

नई टहरी। लंबगांव बाईपास का निर्माण कार्य सर्वे के अनुरूप न होने पर स्यालगी के ग्रामीणों में आक्रेश जलाई। कहा कि कुछ ग्रामीणों ने बिना वजह के काम रोक दिया है। अपर जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने बंद पड़े कार्य को शुरू करवाने और जल्द उसे पूरा करने की गुहार लगाई। लंबागांव बाजार को जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए 4.2 किलोमीटर लंबगांव—सरखोल—पिपलोगी—स्यालगी बाईपास का निर्माण कार्य किया जा रहा है। संदीप कलूड़ा, सुखदेव कलूडा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी को इस संबंध में ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि प्रांतीय खंड लोनिवि बौराड़ी की ओर से लंबगांव बाईपास का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है लेकिन ठेकेदार ने बाईपास निर्माण कार्य

इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन की ओर से पूरा किया गया अभियान

उत्तरकाशी। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से प्रदेश के युवाओं को पर्वतारोहण के क्षेत्र में प्रेरित करने के लिए प्रदेश की तीन चोटियों के आरोहण के अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत छह पर्वतारोहियों ने विषम परिस्थितियों के बीच गंगोत्री रेलेशिपर की समुद्रतल से करीब 21365 फीट की उंचाई पर स्थित भागीरथी—टू चोटी का दस दिन में सफल आरोहण किया। बर्फबारी के बीच, माइनस 20 डिग्री तापमान और कठिनाइयों के बीच टीम ने यह अभियान पूरा किया। इस अभियान का संचालन इंडियन माउंटनियरिंग फाउंडेशन की ओर से किया गया।

टीम लीडर व पर्वतारोही दशरथ रावत ने बताया कि उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर आईएमएफ के संचालन में प्रदेश की तीन चोटियों भागीरथी टू, स्वर्गारोहिणी सहित पंचाचुली के आरोहण के लिए अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत गंगोत्री धाम से 12 सदस्यीय दल ने बीते पांच अक्टूबर को अपने अभियान की शुरुआत की थी। रावत ने बताया कि गौमुख से ही बर्फबारी शुरू हो गई थी। इस दौरान कहीं पर पानी नहीं मिला। दल ने बर्फ को पिघलाकर पानी की जरूरत पूरी की। साथ ही इस दौरान माइनस 20 डिग्री तापमान के बीच सभी विषम परिस्थितियों को पार कर पर्वतारोहियों ने दस दिन रिकॉर्ड के बीच अपने अभियान को सफल किया।

टाइफून चांपी से ताइवान में एक की मौत, 94 घायल

ताइपे,एजेंसी। शक्तिशाली टाइफून चांपी ने ताइवान, जापान और चीन में जनजीवन प्रभावित किया है। तूफान के कारण ताइवान में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि 94 लोग घायल हुए हैं। पहाड़ी इलाकों में रहने वाले करीब 1,300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। तूफान के केंद्र के पास हवा की रफ्तार 19१ किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई, जिससे प्रशासन को बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाने पड़े। ताइवान में खराब मौसम के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। वित्तीय बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी सीमित कर दी गईं। उत्तर-पूर्वी हिलान काउंटी में प्रशासन ने रेत से भरी बैरियां बांटने के साथ बचाव कार्यों के लिए विशेष वाहन और इन्फ्लेटेबल नावें तैयार रखीं। अधिकारियों ने जरूरत पड़ने पर सेना की मदद लेने की तैयारी भी की है। टाइफून का असर जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भी देखने को मिल रहा है। ओकिनावा क्षेत्र में करीब 3,630 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ है। जापान में 160 से अधिक उड़ानें रद्द की गई हैं। अधिकारियों ने लोगों को ऊंची समुद्री लहरों, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों का जलस्तर बढ़ने के खतरे को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उधर, चीन के मौसम विभाग ने तूफान के प्रभाव को देखते हुए नीला अलर्ट जारी किया है। पूर्वी तटीय क्षेत्रों में 50 से 80 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। झेजियांग प्रांत ने ऊंची समुद्री लहरों के खतरे के मद्देनजर नारंगी अलर्ट जारी किया है। टाइफून चांपी को लेकर तीनों देशों में प्रशासन अलर्ट पर है। राहत और बचाव एजेंसियां संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के काफिले पर हमला, जनता में आक्रोश

यरुशलम,एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के काफिले पर हाल ही में यरुशलम में हमला हुआ। यह घटना तब घटी जब वे अपने 77वें जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे थे। भीड़ के अंदर से उनके काफिले पर एक कांच की बोतल फेंकी गई, हालांकि इस हमले में नेतन्याहू और उनका परिवार बाल-बाल बच गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला गुरुवार रात यरुशलम के सहाने येहुदा बाजार के पास हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर की तलाश शुरू कर दी। काफिले के निर्बाध गुजरने के लिए लाइट रेल सेवा को अस्थायी रूप से रोका गया था, और हजारों लोग सड़क किनारे उनके स्वागत में खड़े थे, तभी भीड़ के बीच से यह हमला किया गया। सामने आए वीडियो में हमलावर द्वारा बोतल फेंकने की कोशिश करते देखा जा सकता है। हमले के बावजूद, नेतन्याहू अपनी पत्नी सारा के साथ महाने येहुदा पहुंचे, जहाँ लिक्वुड पार्टी के समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब नेतन्याहू को सार्वजनिक विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यरुशलम की इस घटना से ठीक पहले, उन्हें तेल अवीव के हा-तिकवा बाजार में भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति को नेतन्याहू से सीधे यह पूछते हुए देखा गया, आपने हमारा को लाखों डॉलर क्यों भेजे? इस दौरान उस व्यक्ति का फोन छीन लिया गया और उसे धक्का देकर बाहर कर दिया गया। नेतन्याहू के खिलाफ जनता में बढ़ते आक्रोश को मुख्य कारण हमारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों का असंतोष है। बंधकों के कई परिजनों ने आरोप लगाया है कि 1 अक्टूबर के नरसंहार के लिए वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। बंधकों के परिजनों, जिनमें मारे गए बंधक गाय इलूज के पिता और पूर्व बंधक मतन जंगीकर की मां शामिल हैं, ने विदेशी प्रदर्शनों में भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लिक्वुड समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की, उन पर धूका और सब्जियां फेंकी।

सऊदी पर हूती हमला: भारतीय तीर्थयात्रियों को निकालने में जुटा विदेश मंत्रालय

दम्पाम,एजेंसी। पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट उस समय और गहरा गया जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर अपने हमले तेज करते हुए राजधानी रियाद में स्थित रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया। हवा से आई मिसाइलों ने रक्षा मंत्रालय परिसर को दहला दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले उसी दिन हूती विद्रोहियों ने सऊदी की प्रमुख तेल कंपनी अरामको के ठिकानों और दम्पाम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी झेन और मिसाइल से भीषण हमले किए थे। दम्पाम में हुए इन हमलों में दो विदेशी नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें नेपाली और फिलिपिनो नागरिक शामिल हैं, जबकि एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हुए हैं। सऊदी अरब में सुरक्षा स्थिति अचानक बिगड़ने के बाद वहां मौजूद भारतीय उमराह श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार पूरी तरह मुस्तेद हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने वहां फंसे हुए भारतीयों को सुरक्षित स्थेदेश वापस आ गए हैं। दरअसल, दम्पाम हवाई अड्डे पर हमले के बाद कई उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ था, जिससे मक्का और जेद्दा में स्थित वाणिज्य दूतावास लगातार विभिन्न

ट्रंप बोले- अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर रखें

-गूगल ने कर दिया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी अजीबोगरीब मांगों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को फोन करके अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर करने को कहा। हालांकि, गूगल ने उनकी यह मांग मानने से साफ इनकार कर दिया है। यह जानकारी खुद डोनाल्ड ट्रंप ने साउथ कैरोलिना में एक संसदीय चुनाव प्रचार रैली के दौरान दी। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने सुंदर पिचाई को अटलांटिक महासागर का नाम ट्रंप ओसियन करने का सुझाव दिया, लेकिन पिचाई ने यह कहकर इनकार कर दिया कि इस बार वे ऐसा नहीं कर सकते।

गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने राष्ट्रपति को समझाया कि अटलांटिक महासागर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य देशों तक फैला हुआ है, इसलिए इसका नाम बदलना संभव नहीं होगा। ट्रंप ने खुले तौर पर यह भी कहा है कि प्रशांत महासागर को अमेरिकन ओसियन और अटलांटिक महासागर को ट्रंप ओसियन कर देना



चाहिए। उनका मानना है कि उनके पिता अक्सर कहते थे कि उन्हें स्थानों की अच्छी समझ है। ट्रंप के नाम बदलने की यह कोई पहली सनक नहीं है। इससे पहले वे मेक्सिको की खाड़ी को अमेरिकन खाड़ी और कनाडा के साथ साझा ओंटारियो झील को अमेरिकी झील करवा चुके हैं। उनके आदेश के बाद गूगल मैप्स और एप्पल मैप्स पर इन नामों को जोड़ दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सरकारी इस्तेमाल के लिए किसी भी जगह का नाम बदल

सकता है। दूसरे देश या प्राइवेट कंपनी उसे मानने या ना मानने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ट्रंप के आदेश के मुताबिक गूगल और एप्पल ने मेक्सिको की खाड़ी और ओंटारियो झील के नाम के साथ अमेरिकी खाड़ी और अमेरिकी झील जोड़ दिया था। जनवरी 2025 में ट्रंप ने अलास्का की सबसे ऊंची पर्वत डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैकिनले कर दिया था। इसी साल सितंबर में उन्होंने अमेरिकी राज्य न्यू मेक्सिको का नाम बदलकर न्यू अमेरिका करने का सुझाव दिया, हालांकि उन्होंने इस पर जोर न डालने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति को नाम बदलने की सनक केवल महासागरों तक ही सीमित नहीं है। वे होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम भी अपने नाम पर ट्रंप स्ट्रेट रखना चाहते हैं, जो इजरायल और ईरान के संघर्ष के दौरान काफी चर्चा में रहा था। इसके अलावा, ट्रंप की चाहत अमेरिका की मिसिसिपी या हडसन नदी में से किसी एक का नाम बदलने की भी है। डोनाल्ड ट्रंप की नाम बदलने की यह बढ़ती सनक वैश्विक भूगोल और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को किस हद तक प्रभावित करेगी, यह देखना बाकी है।

उत्तर कोरिया ने किया जैम-2.0 टॉरपीडो का परीक्षण



प्योंगयांग,एजेंसी। हाल ही में उत्तर कोरिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली नई 'जैम-2.0' टॉरपीडो प्रणाली का पानी के भीतर परीक्षण किया है। यहां की सरकारी मीडिया ने इस परीक्षण की जानकारी देते हुए इसे देश की नौसैनिक ताकत बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी बताया। यह कदम क्षेत्र में सैन्य तनाव की और बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने गुरुवार को 'जैम-2.0' नाम की इस टॉरपीडो का परीक्षण किया, जिसका मुख्य मकसद हथियार में किए गए नए बदलावों की प्रभावशीलता और उसके प्रदर्शन से जुड़ी क्षमताओं की जांच करना था। इस नई टॉरपीडो में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी मदद से यह लक्ष्य को पहचानने और उस पर सटीक निशाना लगाने में सक्षम हो सकती है। परीक्षण में यह भी जांचा गया कि टॉरपीडो को पानी के भीतर आगे बढ़ाने वाला सिस्टम कितना बेहतर काम करता है और इसकी रफ्तार बढ़ाने वाली त कनीक में कितना सुधार हुआ है। उत्तर कोरिया का दावा है कि पिछले पांच साल में इस टॉरपीडो प्रणाली से जुड़े 180 से ज्यादा टेस्ट किए गए हैं, जो इसके विकास पर लगातार किए जा रहे प्रयासों को दर्शाते हैं।

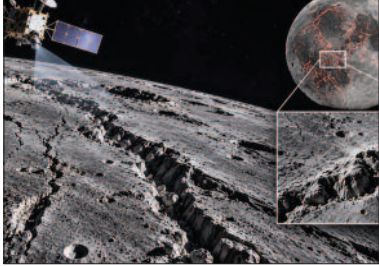
चांद पर दस हज़ार से अधिक दरारें, नासा की रिपोर्ट में भूकंप का बड़ा खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा की ताजा तस्वीरों ने चंद्रमा की सतह पर 10 हजार से अधिक इस तरह के फॉल्ट (दरारें) का खुलासा किया है, जहाँ कभी भी भूकंप आ सकता है। यह महत्वपूर्ण खोज लूनर रिकॉनसेंस ऑर्बिटर कैमरा (एलआरओसी) से प्राप्त छवियों के गहन विश्लेषण पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ये दरारें नासा के आर्टेमिस मिशन के लिए सुरक्षित लैंडिंग साइट चुनने में नई चुनौतियाँ पैदा करती हैं, जिसका लक्ष्य फिर इसानों को चांद पर उतारना है। अध्ययन के अनुसार, चंद्रमा का आंतरिक भाग धीरे-धीरे ठंडा हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उसका आकार सिकुड़ रहा है।

बीते करीब 40 करोड़ वर्षों में चांद की त्रिज्या करीब 45 मीटर कम हो गई है। यह सिकुड़न चंद्रमा की सतह पर दबाव डालती है, जिससे लोबेट स्कार्प और मारे रिज जैसी लंबी और उभरी हुई भूगर्भीय संरचनाएं बनती हैं। एलआरओसी कैमरे ने 8,900 से अधिक लोबेट स्कार्प और 2,000 से अधिक छोटी मारे रिज की पहचान की है, जो सिकुड़न प्रक्रिया से जुड़ी हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चांद की त्रिज्या हर 10 लाख साल में 6 से 11 सेंटीमीटर तक कम हो सकती है, जो यह दर्शाता है कि यह भूगर्भीय गतिविधि अभी भी जारी है। ये फॉल्ट ही चंद्रमा पर मूनक्वैक (चंद्र भूकंप)

का मुख्य कारण हैं। साल 2019 में वैज्ञानिक टॉम वॉटर्स और उनकी टीम ने फॉल्ट और भूकंपीय गतिविधि के बीच संबंध के टोस सबूत दिए थे, जब अपोलो मिशनों के दौरान लगाए गए सीस्मोमीटर ने फॉल्ट के निकट भूकंप रिकॉर्ड किए थे। पृथ्वी की बाहरी सतह के विपरीत, जो करीब 15 बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों में बंटी है, चांद की बाहरी सतह एक बड़ी, एकल प्लेट की तरह है। यह अंतर चंद्रमा पर भूकंप आने वाले स्थानों की भविष्यवाणी को अधिक जटिल बनाता है, क्योंकि हलचल पुराने फॉल्ट में हो सकती है या नए भी बन सकते हैं। यह खोज आर्टेमिस मिशन के लिए महत्वपूर्ण

निहितार्थ रखती है। वास्तव में, 2024 की एक स्टडी में आर्टेमिस मिशन के लिए चुनी गई 13 संभावित लैंडिंग साइट्स में से कुछ के पास ऐसे इलाके पाए गए थे जहाँ भूकंप का खतरा हो सकता है। चंद्र भूकंप से सतह पर मिट्टी और चट्टानों का खिसकना संभव है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों और उनके उपकरणों को संभावित नुकसान पहुँच सकता है। हालाँकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज मिशन को असंभव नहीं बनाती है। उन्होंने पाया है कि जिन क्षेत्रों में चांद की बाहरी पपड़ी मोटी है, वहाँ फॉल्ट कम मिले हैं, और ऐसी जगहों को भविष्य के मिशनों के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।



चंद्रमा का सिकुड़ना और उसमें परिवर्तन लगातार जारी है, इसलिए सुरक्षित चंद्र लैंडिंग और भविष्य की खोज के लिए इन भूगर्भीय गतिविधियों का निरंतर अध्ययन और निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

प्रशांत महासागर में हज़ारों एलियन वायरस मिले वैज्ञानिकों को

वाशिंगटन , एजेंसी। प्रशांत महासागर की अथाह गहराई से एक ऐसी असाधारण खोज सामने आई है, जिसने वैज्ञानिकों को अचंभित कर दिया है। चीन की चोंगकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रशांत महासागर के बलेरियन-क्लिपर्टन जेन में लगभग 12 हजार तरह के एलियन वायरसों की पहचान की है। इन्हें एलियन इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इनमें से 99 प्रतिशत से ज्यादा को वैज्ञानिक पहचानते तक नहीं हैं और न ही उनके बारे में कभी सुना है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र मैक्सिको और हवाई के बीच स्थित है, जहां की गहराई लगभग 6000 मीटर तक पहुंचती है। सूज की रोशनी से दूर इस अंधेरी दुनिया में जीवन किस तरह पनपता है, यह वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से एक दिलचस्प सवाल रहा है। इस क्षेत्र की तलहटी पर आलू के आकार जैसी ललाछों धातुओं से भरी हुई चट्टानें बिखरी हुई हैं, जिन्हें पॉलीमेटैलिक नोड्यूल कहा जाता है।

मुनीर के तेहरान दौरे के तुरंत बाद पाक-ईरान सीमा पर हमला

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान और ईरान की सीमा पर स्थित उस समय और अधिक तनावपूर्ण हो गई जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तेहरान की आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रेड गेट 250 के पास अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया। रिमदान सीमावर्ती क्षेत्र में हुए इस दुस्साहसिक हमले में ताजे फलों और खाद्य सामग्रियों से लदे दर्जनों भारी मालवाहक ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया। हमले के बाद सीमा सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच जोरदार गोलीबारी हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस घटना ने दोनों देशों के कूटनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। हमले की सूचना मिलते ही आपातकालीन दर्जों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों को पकड़ने और सीमावर्ती क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि आवाजाही को तकनीकी बहाने बनाकर रोकना जारी रहा, तो ईरान भी अपनी तरफ से सीमा को पूर्णतः सील कर देता।

स्थानीय निर्यातकों और व्यापारियों को करोड़ों रुपये का सीधा नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और ईरान के बीच गब्द-रिमदान और लापतान सीमा चौकियों पर वाणिज्यिक आवाजाही काफी दिनों से बाधित है। पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों और तस्करी रोकने का हवाला देकर ईरानी ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है, जिसके जवाब में सैकड़ों ट्रक सीमा पर लावारिस हालत में खड़े हैं। इन ट्रकों के चालकों को पीने के पानी और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं के संकट से जूझना पड़ रहा है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी नेतृत्व के साथ सीमा विवाद सुलझाने पर चर्चा हुई थी। ईरान-पाकिस्तान संसदीय मैत्री समूह के प्रमुख फदाहोसैन मलेकी के अनुसार, आसिम मुनीर ने तेहरान से सीमा खोलने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली। मलेकी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान की तरफ से ईरानी ट्रकों की आवाजाही को तकनीकी बहाने बनाकर रोकना जारी रहा, तो ईरान भी अपनी तरफ से सीमा को पूर्णतः सील कर देता।



भारत में गेहूँ एक मुख्य फसल है। गेहूँ का लगभग 97% क्षेत्र सिंचित है। गेहूँ का प्रयोग मनुष्य अपने जीवनयापन हेतु मुख्यत रोट्टी के रूप में प्रयोग करते हैं, जिसमे प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पायी जाती है। भारत में पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश मुख्य फसल उत्पादक क्षेत्र हैं।

गेहूँ की फसल में कीट और उनका नियंत्रण

गेहूँ की फसल में शुरू में दीमक कीट बहुत ही नुकसान पहुंचता है इसकी रोकथाम के लिए दीमक प्रकोपित क्षेत्र में नीम की खली 10 कुंतल प्रति हेक्टर की दर से खेत की तैयारी के समय प्रयोग करना चाहिए तथा पूर्व में बोई गई फसल के अवशेष को नष्ट करना अति आवश्यक है, इसके साथ ही माहू भी गेहूँ की फसल में लगती है, ये पतियों तथा बालियों का रस चूसते हैं, ये पंखहीन तथा पंखयुक्त हरे रंग के होते हैं, सैनिक कीट भी लगता है पूर्ण विकसित सुंडी लगभग 40 मि०मी० लम्बी बादामी रंग की होती है। यह पतियों को खाकर हानि पहुंचाती है, इसके साथ साथ गुलाबी तना बेधक कीट लगता है ये अण्डो से निकलने वाली सुंडी भूरे गुलाबी रंग की लगभग 5 मिली मीटर की लम्बी होती है, इसके काटने से फल की वानस्पतिक बढ़वार रुक जाती है, इन सभी कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशी जैसे क्यूनालफास 25 ई सी. की 1.5-2.0 लीटर मात्रा 700-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करना चाहिए, या सैपरमेथ्रिन 750 मि०ली० या फेवेलरेट 1 लीटर 700-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। कीटों के साथ साथ चूहे भी लगते हैं, ये खड़ी फसल में नुकसान पहुँचाते हैं, चूहों के लिए जिंक फास्फाइट या बेरियम कार्बोनेट के बने जहरीले चारे का प्रयोग करना चाहिए, इसमें जहरीला चारा बनाने के लिए 1 भाग दवा 1 भाग सरसों का तेल तथा 48 भाग दाना मिलाकर बनाया जाता है जो कि खेत में रखकर प्रयोग करते हैं।

कटाई

फसल पकते ही बिना प्रतीक्षा किये हुप कटाई

गेहूँ की खेती

प्रमुख प्रजातियाँ

गेहूँ की प्रजातियों का चुनाव भूमि एवं साधनों की दशा एवं स्थित के अनुसार किया जाता है, मुख्यतः तीन प्रकार की प्रजातिया होती है सिंचित दशा वाली, असिंचित दशा वाली एवं उसरीली भूमि की, आसिंचित दशा वाली प्रजातियाँ निम्न हैं-

असिंचित दशा

इसमें मगहर के 8027, इंद्रा के 8962, गोमती के 9465, के 9644, मन्दाकिनी के 9251, एवं एच डी आर 77 आदि हैं।

सिंचित दशा
सिंचित दशा वाली प्रजातियाँ सिंचित दशा में दो प्रकार की प्रजातियाँ पायी जाती हैं, एक तो समय से बुवाई के लिए-

इसमें देवा के 9107, एच पी 1731, राजश्व लक्ष्मी, नरेन्द्र गेहूँ 1012, उजियार के 9006, डी एल 784-3, (वैशाली) भी कहते हैं, एचयूडब्ल्यू468, एचयूडब्ल्यू510, एच डी2888, एच डी2967, यूपी 2382, पी बी डब्ल्यू443, पी बी डब्ल्यू 343, एच डी 2824 आदि हैं। देर से बुवाई के लिए त्रिवेणी के 8020, सोनाली एवं पी 1633 एच डी 2643, गंगा, डी वी डब्ल्यू 14, के 9162, के 9533, एचपी 1744, नरेन्द्र गेहूँ 1014, नरेन्द्र गेहूँ 2036, नरेन्द्र गेहूँ 1076, यूपी 2425, के 9423, के 9903, एच डब्ल्यू2045, पी बी डब्ल्यू373, पी बी डब्ल्यू 16 आदि हैं।

उसरीली भूमि के लिए-

के आर एल 1-4, के आर एल 19, लोक 1, प्रसाद के 8434, एन डब्ल्यू 1067, आदि हैं, उपर्युक्त प्रजातियाँ अपने खेत एवं दशा को समझकर चयन करना चाहिए।

जलवायु एवं भूमि की आवश्यकता

गेहूँ की खेती के लिए समशीतोष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है, इसकी खेती के लिए अनुकूल तापमान बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेंटीग्रेट उपयुक्त माना जाता है, गेहूँ की खेती मुख्यत सिंचाई पर आधारित होती है गेहूँ की खेती के लिए दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है, लेकिन इसकी खेती बलुई दोमट, भारी दोमट, मटियार तथा मार एवं कावर भूमि में की जा सकती है। साधनों की उपलब्धता के आधार पर हर तरह की भूमि में गेहूँ की खेती की जा सकती है।

बीजदर और बीज शोधन

गेहूँ कि बीजदर लाइन से बुवाई करने पर 100 कि०ग्रा० प्रति हेक्टर तथा मोटा दाना 125 कि०ग्रा० प्रति हेक्टर तथा छिड़काव से बुवाई कि दशा से 125 कि०ग्रा० सामान्य तथा मोटा दाना 150 कि०ग्रा० प्रति हेक्टर कि दर से प्रयोग करते हैं, बुवाई के पहले बीजशोधन अवश्य करना चाहिए बीजशोधन के लिए बाविस्टिन, काबेन्डाजिम कि 2 ग्राम मात्रा प्रति कि०ग्रा० कि दर से बीज शोधित करके ही बीज की बुवाई करनी चाहिए।

बुवाई विधि

गेहूँ की बुवाई समय से एवं पर्याप्त नमी पर करनी चाहिए अन्यथा उपज में कमी हो जाती है। जैसे-जैसे बुवाई में बिलम्ब होता है वैसे-वैसे पैदावार में गिरावट आती जाती है, गेहूँ की बुवाई सीड्रिल से करनी चाहिए तथा गेहूँ की बुवाई हमेशा लाइन में करें। सस्युक्त प्रजातियों की बुवाई अक्टूबर के प्रथम पक्ष से द्वितीय पक्ष तक उपयुक्त नमी में बुवाई करनी चाहिए, अब आता है सिंचित दशा इसमे की चार पानी देने वाली हैं समय से अर्थात 15-25 नवम्बर, सिंचित दशा में ही तीन पानी वाली प्रजातियों के लिए 15 नवंबर से 10 दिसंबर तक उचित नमी में बुवाई करनी चाहिए और सिंचित दशा में जो देर से बुवाई करने वाली प्रजातियाँ हैं वो 15-25 दिसम्बर तक उचित नमी में बुवाई करनी चाहिए, उसरीली भूमि में जिन प्रजातियों की बुवाई की जाती है वे 15 अक्टूबर के आस पास उचित नमी में बुवाई अवश्य कर देना चाहिए, अब आता है किस विधि से बुवाई करें गेहूँ की बुवाई देशी हल के पीछे लाइनों में करनी चाहिए या फर्टीसीड्रिल से भूमि में उचित नमी पर करना लाभदायक है, पंतनगर सीड्रिल बीज व खाद सीड्रिल से बुवाई करना अत्यंत लाभदायक है।

गेहूँ की फसल में खरपतवार नियंत्रण

गेहूँ की फसल में रबी के सभी खरपतवार जैसे बथुआ, प्याजी, खरतुआ, हिरनखुरी, चटरी, मटरी, सैजी, अंकरा, कृष्णनील, गेहुँसा, तथा जंगली जई आदि खरपतवार लगते हैं। इनकी रोकथाम निराई गुड़ाई करके की जा सकती है, लेकिन कुछ रसायनों का प्रयोग करके रोकथाम किया जा सकता है जो की निम्न है जैसे की पेंडामेथेलिन 30 ई सी 3.3 लीटर की मात्रा 800-1000 लीटर पानी में मिलकर फ्लैटफेन नोजिल से प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव बुवाई के बाद 1-2 दिन तक करना चाहिए। जिससे की जमाव खरपतवारों का न हो सके, चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को नष्ट करने के लिए बुवाई के 30-35 दिन बाद एवं

खेत की तैयारी

गेहूँ की बुवाई अधिकतर धान की फसल के बाद ही की जाती है, पहली जुताई मिटटी पलटने वाले हल से तथा बाद में डिस्क हैरो या कल्टीवेटर से 2-3 जुताईयां करके खेत को समतल करते हुए भुरभुरा बना लेना चाहिए, डिस्क हैरो से धान के ढूँठे कट कर छोटे छोटे टुकड़ों में हो जाते हैं- इन्हें शीघ्र सड़ाने के लिए 20-25 कि०ग्रा० यूरिया प्रति हेक्टर कि दर से पहली जुताई में अवश्य दे देनी चाहिए। इससे ढूँठे, जड़ें सड़ जाती हैं ट्रैक्टर चालित रोटावेटर से एक ही जुताई द्वारा खेत पूर्ण रूप से तलैयावर हो जाता है।

उर्वरकों का प्रयोग

किसान भाइयों उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना चाहिए, गेहूँ की अच्छी उपज के लिए खरीफ की फसल के बाद भूमि में 150 कि०ग्रा० नत्रजन, 60 कि०ग्रा० फास्फोरस, तथा 40 कि०ग्रा० पोटाश प्रति हेक्टर तथा देर से बुवाई करने पर 80 कि०ग्रा० नत्रजन, 60 कि०ग्रा० फास्फोरस, तथा 40 कि०ग्रा० पोटाश, अच्छी उपज के लिए 60 कुंतल प्रति हेक्टर सड़ी गोबर की खाद का प्रयोग करना चाहिए। गोबर की खाद एवं आधी नत्रजन की मात्रा तथा पोटाश की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय आखिरी जुताई में या बुवाई के समय खाद का प्रयोग करना चाहिए, शेष नत्रजन की आधी मात्रा पहली सिंचाई पर तथा बची शेष मात्रा दूसरी सिंचाई पर प्रयोग करनी चाहिए।



करके तुरंत ही मड़ाई कर दाना निकाल लेना चाहिए, और भूसा व दाना यथा स्थान पर रखना चाहिए, अत्यधिक क्षेत्री वाली फसल कि कटाई कम्बाइन से करनी चाहिए इसमे कटाई व मड़ाई एक साथ ही जाती है जब कम्बाइन से कटाई कि जाती है।

भण्डारण

मौसम का बिना इंतजार किये हुए उपज को बखारी या बोरो में भर कर साफ सुथरे स्थान पर सुरक्षित कर सूखी नीम कि पत्ती का बिछावन डालकर करना चहिए या रसायन का भी प्रयोग करना चाहिए।

उपज

असिंचित दशा में 35-40 कुंतल प्रति हेक्टर होती है, सिंचित दशा में समय से बुवाई करने पर 55-60 कुंतल प्रति हेक्टर पैदावार मिलती है, तथा सिंचित देर से बुवाई करने पर 40-45 कुंतल प्रति हेक्टर तथा उसरीली भूमि में 30-40 कुंतल प्रति हेक्टर पैदावार प्राप्त होती है।

तिलहन की खेती

इसके लिए हल्की भूमि तथा दोमट भूमि अच्छी होती हैडूयह फसल पी एच 5.5 से 8.2 तक की भूमि में उगाई जा सकती हैडू फिर भी यह फसल बलुई दोमट से काली मिट्टी में भी उगाई जाती हैडू

प्रजातियां
तिल की जो उन्नतशील प्रजातियाँ है उनके बारे में जाने किसान भाईयो को बताईये उन उन्नतशील प्रजातियों के बारे में
तिल की कई प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे की टाईप 4, टाईप12, टाईप13, टाईप78, शेखर, प्रगति, तरुण, कृष्णा, एवम बी63 प्रजातियाँ हैडू
भूमि की तैयारी
फसल की तैयारी के लिए अपने खेतों की

तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए
खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा दो-तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से करके खेत में पाटा लगाकर भुरभुरा बना लेना चाहिएडू इसके पश्चात ही बुवाई करनी चाहिएडू 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद को आखिरी जुताई में मिला देना चाहिएडू
बीज और बुआई
तिल की फसल में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर कितनी लगती है और बीज का शोधन हमारे किसान भाई किस प्रकार करे
एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए तीन से चार किलोग्राम बीज पर्याप्त होता हैडू बीज जनि्त रोगों से बचाव के लिए 2.5 ग्राम थीरम या

फैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करना चाहिएडू
तिल की बुवाई किस समय और किस विधि द्वारा करनी चाहिए
तिल की बुवाई का उचित समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का दूसरा पखवारा माना जाता हैडू तिल की बुवाई हल के पीछे लाइन से लाइन 30 से 45 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को कम गहराई पर करते हैडू
पोषण प्रबंधन
फसल में खाद एवम उर्वरको का प्रयोग कब करना चाहिए और कितनी मात्रा में करना चाहिए
उर्वरको का प्रयोग भूमि परीक्षण के आधार पर करना चाहिएडू 80 से 100 कुंतल

सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी करते समय आखिरी जुलाई में मिला देना चाहिएडू इसके साथ ही साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 15 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएडू रकार तथा भूड भूमि में 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएडू नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस,पोटाश एवम गंधक की पूरी मात्रा बुवाई के समय बेसल ड्रेसिंग में तथा नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम निराई-गुड़ाई के समय खड़ी फसल में देना चाहिएडू

सिंचाई प्रबंधन - सिंचाई प्रबंधन तिल की फसल में कब होना चाहिए किस प्रकार होना चाहिए इस बारे में बताईये
वर्षा ऋतु की फसल होने के कारण सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती हैडू यदि पानी न बरसे तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिएडू फसल में 50 से 60 प्रतिशत फलत होने पर एक सिंचाई करना आवश्यक हैडू यदि पानी न बरसे तो सिंचाई करना आवश्यक होता है



भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती हैडू भारत के कुल उत्पादन 20 प्रतिशत उत्पादन अकेले गुजरात से होता हैडू उत्तर प्रदेश में तिल की खेती मुख्यतः बुंदेलखंड के राकर भूमि में तथा मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, आगरा एवम मेनपुरी में शुद्ध एवम मिश्रित रूप से की जाती हैडू तिल की

उत्पादकता बहुत ही कम है सधन पद्धतियाँ अपनाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता हैडू
जलवायु
तिल की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु और भूमि की आवश्यकता पड़ती है
तिल के लिए शीतोष्ण जलवायु उपयुक्त होती है मुख्यतः बरसात या खरीफ में इसकी खेती की जाती है यह बहुत ही ज्यादा बरसात या सूखा पड़ने पर फसल अच्छी नहीं होती हैडू

समर वैली स्कूल में छात्राओं से कथित छेड़छाड़ का मामला आया सामने

देहरादून। राजधानी देहरादून के समर वैली स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्राओं से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। छात्राओं ने स्कूल के फिजिक्स शिक्षक पर अनुचित तरीके से छूने के आरोप लगाए हैं। मामले में एक छात्रा और उसकी मां ने स्कूल प्रबंधन पर शिकायत की गंभीरता से न लेने और छात्रा पर दबाव बनाने के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

करीब 15 छात्राओं के हस्ताक्षर वाली शिकायत का दावा

मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में करीब 15 छात्राओं के हस्ताक्षर वाली लिखित शिकायत स्कूल प्रबंधन को सौंपे जाने की बात कही गई है। शिकायत में संबंधित शिक्षक के व्यवहार पर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि शिक्षक छात्राओं के साथ-साथ छात्रों को भी अनुचित तरीके से छूते थे।



शिकायत के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से संबंधित शिक्षक को हटाने और छात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भरोसा दिए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस संबंध में स्कूल प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष और का-रवाई की स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

छात्रा और मां ने लगाए गंभीर आरोप
छात्रा और उसकी मां के मुताबिक,

शिकायत देने के अगले दिन छात्रा को प्रिंसिपल के कार्यालय में बुलाया गया। आरोप है कि वहां उससे घटना के बारे में ऐसे सवाल पूछे गए, जिससे उसे अपमानित महसूस हुआ।छात्रा ने स्कूल के निदेशक अशोक वासु के व्यवहार को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसके अनुसार, घटना को स्पष्ट करने के लिए उससे कथित तौर पर यह बताने को कहा गया कि उसे किस तरह छुआ गया था। छात्रा और उसकी मां ने इस पूरे घटनाक्रम पर आपत्ति जताई है।

निष्पक्ष जांच और छात्राओं की सुरक्षा अहम
मामले में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच, संबंधित छात्राओं की सुरक्षा और उनकी गरिमा बनाए रखना महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में शिकायतकर्ता बच्चों की पहचान गोपनीय रखी जानी चाहिए और उनसे संवेदनशीलता के साथ बातचीत की जानी चाहिए।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दो लोग घायल

डोई वाला।भिमांवा वाला। प्लॉटओवर के पास सर्विस रोड पर कार और स्कूटी की टक्कर में स्कूटी सवार दो लोग घायल हो गए। घायल के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। बाला सिंह परिहार निवासी ऋषिनागर, सहस्रधारा रोड नालापानी देहरादून ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 अक्तूबर रात करीब दस बजे उनका बेटा राहुल परिहार अपने दोस्त आदित्य के साथ मिर्वांवाला से सहस्रधारा रोड पर जा रहा था। इसी बीच कार चालक ने लापरवाही और और तेजी से कार चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना होने पर स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। घायल का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक राजेश गुप्ताई ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

कांग्रेस की न्याय यात्रा के दौरान गुटबाजी के नारों से गरमाया माहौल

देहरादून। उत्तराखंड में भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस की ओर से निकाली जा रही न्याय यात्रा के दौरान शुक्रार को सहस्रपुर विधानसभा क्षेत्र के सेलाकुई में उस समय माहौल गरमा गया, जब कांग्रेस नेताओं के समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यक्रम में हुई इस नारेबाजी से पार्टी के भीतर आपसी खींचतान की स्थिति दिखाई दी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कार्यकर्ताओं को इस हरकत पर नाराजगी जताते हुए उन्हें अनुशासन में रहने की नसीहत दी।

कांग्रेस नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह की अगुवाई में सेलाकुई स्थित एक वेडिंग पॉइंट से न्याय यात्रा की शुरुआत हुई। इसमें पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, कांग्रेस नेता आर्वेंद्र शर्मा, गिरनार अहमद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय किशोर समेत पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की अच्छी-खासी भीड़ जुटी।

समर्थकों की नारेबाजी से बिगड़ा माहौल न्याय यात्रा के दौरान उस समय स्थिति

चौकी गूलर के पास टेंट हाउस में लगी आग, बचा हादसा



ढालवाला। नरेंद्र नगर क्षेत्र के अंतर्गत चौकी गूलर के पास स्थित एक टेंट हाउस में शुक्रवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि पुलिस और अग्निशमन विभाग ने सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर समय रहते काबू पा लिया जिससे एक बड़ा हादसा बच गया। पुलिस को पीएफटी के माध्यम से सूचना मिली थी कि चौकी गूलर के पास स्थित एक टेंट हाउस में आग लगी है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन नरेंद्रनगर की यूनिट बिना देर किए तत्काल मौके के लिए रवाना

हुई। जांच में सामने आया कि यह टेंट हाउस ग्राम लुङ्गरी, विलोगी, पट्टी दोगी निवासी अमित पुत्र दौलत राम का है। आग की गंभीरता को देखते हुए स्थिति को भांपते हुए नरेंद्र नगर फायर यूनिट और ऋषिकेश फायर यूनिट ने संयुक्त रूप से मोची संभाला। दमकल कर्मियों ने फायर इंजन की सहायता से पानी का छिड़काव कर आग पर पूर्ण रूप से काबू किया। समय पर की गई इस कार्रवाई से आग को आसपास के अन्य क्षेत्रों में फैलने से सफलतापूर्वक रोक लिया गया। इस घटना के बाद टिहरी पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती प्रदीप चौहान ने कहा है कि आग लगने की किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना की सूचना तुरंत पुलिस व अग्निशमन विभाग को दें ताकि समय रहते उचित कदम उठाकर जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्लांट पर तालाबंदी से गोविंद नगर में फिर कूड़े का अंबार



ऋषिकेश। गुमानाीवाला स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में करीब एक महीने से तालाबंदी के चलते शहर के सभी वार्डों से एकत्र कूड़ा गोविंद नगर स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड में डाला जा रहा है। इससे ट्रंचिंग ग्राउंड में एक वार फिर कूड़े के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। स्थिति यह है कि गोविंद नगर की ओर ट्रंचिंग ग्राउंड के गेट नंबर

दुग्ध संघ कार्यालय में तालाबंदी कर दुग्ध

उत्पादकों ने किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा। दुग्ध संघ अल्मोड़ा की वर्तमान प्रबंधन कमेटी और बोर्ड को भंग कर प्रशासक नियुक्त करने की मांग को लेकर दुग्ध उत्पादकों ने बृहस्पतिवार को दुग्ध उत्पादक सचिव विकास संगठन के बैनर तले दुग्ध संघ कार्यालय में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। दुग्ध संघ अल्मोड़ा की वर्तमान प्रबंध कमेटी इस समय बड़े प्रशासनिक और कानूनी विवादों के घेरे में आ गई है। उपनिदेशक स्तर से प्रबंध कमेटी के नौ सदस्यों में से छह सदस्यों को अयोग्य (अनर्ह) घोषित किए जाने के बावजूद पूरी कमेटी को भंग न किए जाने से स्थानीय दुग्ध उत्पादकों में भारी आक्रोश है। उत्पादकों का आरोप है कि पर्याप्त आधार होने और दो-तिहाई से अधिक सदस्यों के अयोग्य हो जाने के बाद भी कमेटी को राजनीतिक या प्रशासनिक शह पर जिदा रखा गया है, जिससे संघ के दैनिक और नीतिगत कार्यों में बड़ा व्यवधान खड़ा हो गया है। नाराज दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि जब प्रबंध कमेटी के बहुमत वाले छह सदस्य अपनी पात्रता खो चुके हैं तो तकनीकी रू से यह कमेटी स्वतः ही अस्तित्वहीन हो जानी चाहिए थी।

मसूरी की मॉल रोड होगी वाहनमुक्त, सैलानी बेफिक्र होकर कर सकेंगे सैर

मसूरी। पर्यटन नगरी मसूरी की प्रसिद्ध मॉल रोड पर शाम के समय पैदल घूमने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जल्द ही अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक माहौल मिलने की उम्मीद है। मॉल रोड पर प्रतिबंधित समय के दौरान वाहनों की अनधिकृत आवाजाही रोकने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत चार से पांच प्रमुख स्थानों पर बोलाई लगाए जाएंगे। साथ ही मॉल रोड से जुड़ने वाले संपर्क मार्गों पर भी बोलाई लगाने की योजना बनाई गई है, ताकि दूसरे रस्तों से वाहनों का प्रवेश रोककर यातायात व्यवस्था को प्रभावित नयाया जा सके। प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य मॉल रोड को निर्धारित समय में वाहनमुक्त रखना है, जिससे पर्यटक बिना वाहनों की आवाजाही के बीच से गुजरने की परेशानी के आगम से पैदल घूम सकें। इससे पर्यटन नगरी में यातायात नियंत्रण के साथ पैदल

न्याय यात्रा में बरसी कांग्रेस : सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप



अल्मोड़ा। प्रदेश में कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बृहस्पतिवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं का हजूम चितवई स्थित गोल्ड्ज्यू मंदिर पहुंचा। यहां नेताओं ने उत्तराखंड के जनमानस की

सुख-समृद्धि और इंसाफ के लिए पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की। इसके बाद न्याय यात्रा की शुरुआत की।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भाजपा शासनकाल में भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अत्याचार अप्रत्याशित रूप से बढ़े हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा प्रदेश में सत्ता के दलाल सन्निह हैं। सरकार के संरक्षण में ठेकेदारों, व्यवसायियों और अधिकारियों के जरिए खुलेआम अवैध वसूली का

खेल चल रहा है। जनता और विपक्ष द्वारा शिकायतें किए जाने के बावजूद सरकार कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है। आर्य ने कहा कि भाजपा के इस कुशासन के खिलाफ कांग्रेस अब देवी-देवताओं की शरण में जाने के साथ-साथ जनता की अदालत में उतर चुकी है।



यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को भी बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एसडीएम के नेतृत्व में अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

मॉल रोड पर यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एसडीएम राहुल आनंद के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान बोलाई लगाने के संभावित स्थानों का जायजा लिया गया और उन संपर्क मार्गों को चिह्नित करने पर विचार किया गया, जहां से वाहन मॉल रोड में प्रवेश कर सकते हैं। निरीक्षण में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन, सर्वे करने वाली संस्था के प्रतिनिधि, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता संतोष उपाध्याय तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थानों का निरीक्षण करने के साथ यह भी देखा कि बोलाई लगाने के दौरान जमीन के नीचे बिछी पानी की पाइपलाइन और अन्य उपयोगिता सेवाओं को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे।

विधायक ने विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

ऋषिकेश। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कैंप कार्यालय में जल संस्थान और नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर पेरी अर्बन पेपजल योजना की समीक्षा की। उन्होंने बाणू ग्राम, शिवाजी नगर, मालवीय नगर और गीता नगर समेत अन्य क्षेत्रों में वर्ष 2021 से 2024 के बीच योजना के तहत क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के पुनर्निर्माण की स्थिति जानी।अग्रवाल ने कहा कि सड़कों के सुधार और पुनर्निर्माण के लिए जल संस्थान नगर निगम को 13 करोड़ रुपये दे चुका है, इसके बावजूद निर्माण कार्य लंबित है। उन्होंने इस पर नगर आयुक्त के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि बढहाल सड़कों से आम लोगों को आवामगम में परेशानी हो रही है। वनराशि उपलब्ध होने के बाद भी निर्माण में देरी गंभीर विषय है। इस अवसर पर जसल्क अभियंता अरुणा रावत, अधिशासी अभियंता आर के राणा, नगर आयुक्त विजयनाथ शुक्ला मौजूद रहे।

लगाए जाएं। नेताओं के समर्थन में आपस में नारेबाजी कर टकराव की स्थिति पैदा करना उचित नहीं है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए

सवाल किया कि इस तरह कांग्रेस कैसे जीतेगी। प्रीतम सिंह के हस्तक्षेप और समझाने के बाद माहौल शांत होता दिखाई दिया। इसके बाद न्याय यात्रा का कार्यक्रम आगे बढ़ा।

एकजुटता के संदेश के बीच सामने आई खींचतान

कांग्रेस की न्याय यात्रा का उद्देश्य सरकार के खिलाफ जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाना और पार्टी की आवाज जनता तक पहुंचाना बताया गया। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान समर्थकों के बीच हुई नारेबाजी ने पार्टी के भीतर नेताओं के समर्थक समूहों के बीच तालमेल और अनुशासन को लेकर सवाल खड़े कर दिए। न्याय यात्रा में प्रदेश और स्थानीय स्तर के नेताओं की मौजूदगी के बीच हुई इस घटना ने राजनीतिक कार्यक्रम में आपसी एकजुटता बनाए रखने की चुनौती को भी सामने रखा। फिलहाल, नारेबाजी के बाद कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा।

चूना भट्ठा—अधोईवाला में स्मैक के कथित अवैध कारोबार के आरोप



देहरादून। उत्तराखंड को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद राजधानी देहरादून के चूना भट्ठा, अधोईवाला क्षेत्र में स्मैक के कथित अवैध कारोबार को लेकर लगाए जा रहे आरोपों ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं।स्थानीय स्तर पर इस क्षेत्र में स्मैक के कथित बिस्त्रे को लेकर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। इन आरोपों के बीच संबंधित पुलिस

सवाल उठता है कि यदि इस संबंध में कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध है, तो उसकी जांच कर देणियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? साथ ही यह भी जरूरी है कि वीडियो और अन्य साक्ष्यों की सत्यता की जांच की जाए, ताकि किसी निंदीष व्यक्ति पर गलत आरोप न लगे।क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मामले की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की आवश्यकता है।

युवाओं के भविष्य पर नशे का खतरा

स्मैक जैसे नशीले पदार्थों की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर गंभीर असर डाल सकती है।

नशे की निरपत्त में आने वाले युवाओं के साथ-साथ उनके परिवारों को भी मानसिक, आर्थिक

और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र

उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से

प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

उत्तर रेलवे ई-निविदा सूचना					
वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि०/ उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।					
सं०	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रूपये	निविदा फार्म की लागत रु	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	10R-Statcon-SNT-Sig-MB202 कोम्पेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड पॉवर सप्लाई आई पी एस ऑफ statcon मेक फॉर थी इयरस ओवर मुरादाबाद डिवीजन	48085506.96	961700.00	Nil	23.11.2026 15:00
2	SNTTR73-AMC-Medha-EI-MB कोम्पेहेंसिव मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम ऑफ, मेधा मेक फॉर पीरियड ऑफ थी इयरस ओवर मुरादाबाद डिवीजन	52403264.64	1048100.00	Nil	23.11.2026 15:00
3	SNT-AMC-Siemens-MSDAC-MB कोम्पेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेसर्स सीमेंस मेक डिजिटल डिजिटल एक्सेल कार्टेडर सिस्टम ओवर मुरादाबाद डिवीजन फॉर थी इयरस	40003630.20	800100.00	Nil	23.11.2026 15:00
नोट:- निविदा के पुरा विवरण www.irps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice- SNT-AMC-STATCON-MEHA-Diemens Date. 23.10.2026					
छाहकों की सेवा में सरकार के साथ					
3706/2026					



रेडबुड सिटी । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिश्र की छठी सोड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिश्र की नूरा एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक

दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते

सिलिकॉन वैली स्ववैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

हूए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।' अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छे खेल रही हूँ तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं

आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूँ।' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग



में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे। 2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

संक्षिप्त

समाचार

ईशानकिशनन्यूजीलैंडके खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एंडविटर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रही सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जसी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूँ। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

एशियन पैरा गेम्स: बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हराकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हार्ड-कैलिबर एक्सेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा। थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की

किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था। हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी में स्नैस रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।



धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था। सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिलाज जीतने के लिए काफी थी। टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नाई 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नानायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शानाका और जनिथ लियागो की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।



श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ

वनडे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज

लक्ष्य	स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
435	438/9	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	जोहानिसबर्ग	2006
430	430/8	श्रीलंका	इंग्लैंड	रावलपिंडी	2026
406	406/2	भारत	वेस्टइंडीज	गुवाहाटी	2026
375	374/9	नैदरलैंड	वेस्टइंडीज	हर्नारे	2023
372	372/6	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	डरबन	2016

श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मंडिस और कुसल मंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नानायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नानायके ने दासुन शानाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। स्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली । पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमों में बहुत बढ़िया थी।' बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रैइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।